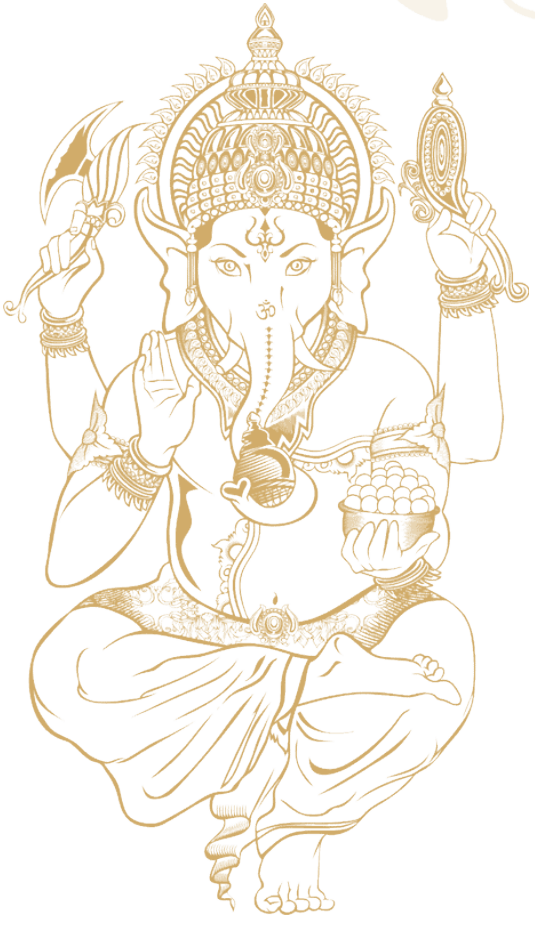

# Jashan

# Jasleen parmar

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121765902

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 16/09/2002 | जन्म तिथि | 13-14/05/2002 |
| सोमवार | दिन | मंगलवार |
| घंटे 19:55:00 | जन्म समय | 21:42:00 घंटे |
| घटी 34:13:04 | जन्म समय(घटी) | 40:16:41 घटी |
| India | देश | Canada |
| Moga | स्थान | Montreal |
| 30:49:00 उत्तर | अक्षांश | 45:31:00 उत्तर |
| 75:13:00 पूर्व | रेखांश | 73:34:00 पश्चिम |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 75:00:00 पश्चिम |
| घंटे -00:29:08 | स्थानिक संस्कार | 00:05:44 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | -01:00:00 घंटे |
| 06:13:46 | सूर्योदय | 05:25:01 |
| 18:33:53 | सूर्यास्त | 20:16:53 |
| 23:53:26 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:53:06 |

| विंशोत्तरी | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य 2वर्ष 9मा 21दि | 00:25:05 | मेष | लग्न | वृश्चि | 17:41:00 | मंगल 3वर्ष 0मा 29दि |
| राहु | 29:39:36 | सिंह | सूर्य | वृष | 00:10:56 | गुरु |
| 08/07/2022 | 03:45:36 | मक | चंद्र | मिथु | 00:47:53 | 13/06/2023 |
| 08/07/2040 | 17:33:22 | सिंह | मंगल | वृष | 27:13:55 | 13/06/2039 |
| राहु 20/03/2025 | 19:10:57 | कन्या व | बुध | वृष | 16:04:50 | गुरु 31/07/2025 |
| गुरु 14/08/2027 | 15:40:28 | कर्क | गुरु | मिथु | 19:26:36 | शनि 12/02/2028 |
| शनि 20/06/2030 | 12:25:29 | तुला | शुक्र | वृष | 29:31:05 | बुध 20/05/2030 |
| बुध 06/01/2033 | 04:37:39 | मिथु | शनि | वृष | 21:18:56 | केतु 25/04/2031 |
| केतु 25/01/2034 | 18:38:07 | वृष व | राहु | वृष | 24:00:33 | शुक्र 24/12/2033 |
| शुक्र 25/01/2037 | 18:38:07 | वृश्चि व | केतु | वृश्चि | 24:00:33 | सूर्य 13/10/2034 |
| सूर्य 19/12/2037 | 01:55:18 | कुंभ व | हर्ष | कुंभ | 04:48:15 | चन्द्र 12/02/2036 |
| चन्द्र 20/06/2039 | 14:36:34 | मक व | नेप व | मक | 17:05:43 | मंगल 18/01/2037 |
| मंगल 08/07/2040 | 21:07:59 | वृश्चि | प्लूटो व | वृश्चि | 22:59:24 | राहु 13/06/2039 |

## लग्न-चलित

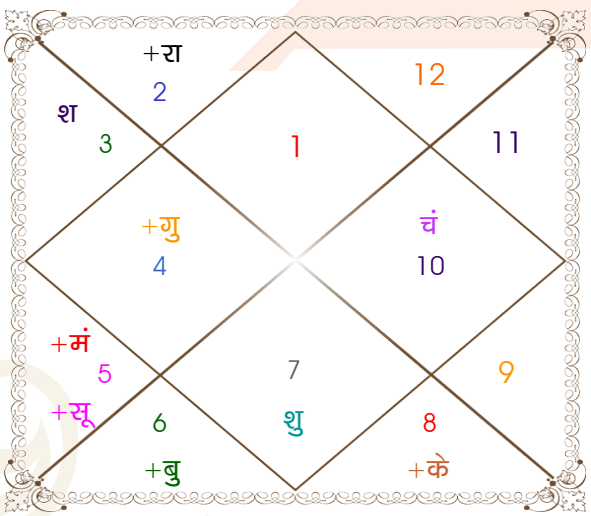


## लग्न-चलित

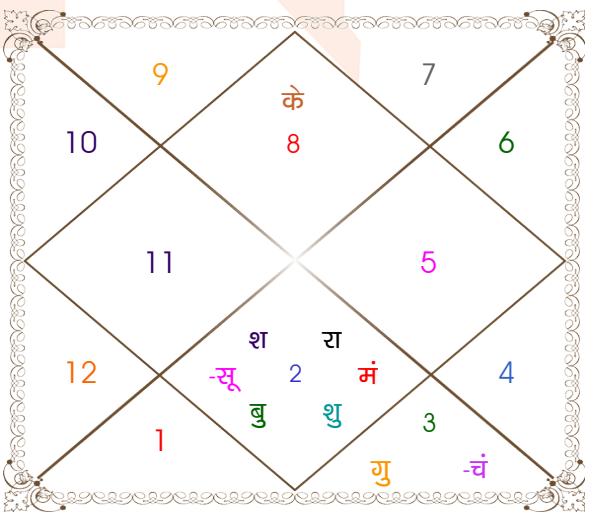

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | वैश्य | शूद्र | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | चतुष्पाद | मानव | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | मित्र | विपत | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | नकुल | सर्प | 4 | 0.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | शनि | बुध | 5 | 4.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | मनुष्य | देव | 6 | 5.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | मकर | मिथुन | 7 | 0.00 | हाँ | जीवन शैली |
| नाड़ी | अन्त्य | मध्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 20.50 | | |

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Jashan का वर्ग सिंह है तथा Jasleen parmar का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Jashan और Jasleen parmar का मिलान औसत है।

## मंगलीक दोष मिलान

Jashan मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Jasleen parmar मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

**अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।**
**वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।**

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Jasleen parmar कि कुण्डली में सप्तम् भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।**
**न मंगली मंगल राहु योग।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Jasleen parmar कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक

दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Jashan कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Jashan तथा Jasleen parmar में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।